🚩 **जय बद्री विशाल** 🚩

गढ़वाल सभा में आम सभा का आयोजन, कई अहम प्रस्ताव पारित

फ़रीदाबाद, 26 अक्टूबर 2025 — गढ़वाल सभा में नव नियुक्त अध्यक्ष श्री राकेश घिल्डियाल जी के नेतृत्व में कार्यकारिणी ने पदभार ग्रहण करने के एक माह बाद ही सभी 105 कॉलेजियम सदस्यों के साथ एक आम सभा (जनरल हाउस) का आयोजन किया। यह बैठक 2सी, बद्रीनाथ मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई, जिसमें सभा के भविष्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया और सर्वसम्मति से पारित किए गए।

बैठक में पारित मुख्य प्रस्ताव निम्नलिखित रहे —

1. संविधान संशोधन समिति से संबंधित प्रस्ताव पर विचार किया गया।
2. सभा में हुए वित्तीय गबन मामले को पुनः न्यायालय में लड़ने हेतु फ़रीदाबाद के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री ओ. पी. शर्मा को अधिवक्ता नियुक्त करने का प्रस्ताव पारित किया गया।
3. जिन सदस्यों पर भ्रष्टाचार के आरोप सिद्ध हुए हैं या जेल की सजा पाई है, उन्हें सभा की सदस्यता से निलंबित करने का निर्णय लिया गया।
4. गबन के मामलों की जांच को तेज करने, गबन की गई राशि की वसूली और अपराध सिद्ध होने पर आजीवन निष्कासन का प्रस्ताव भी पारित किया गया।
5. गाजीपुर की खाली पड़ी भूमि पर कम्युनिटी सेंटर cum प्ले स्कूल स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया।
6. सभी विद्यालयों की मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया।
7. विद्यालयों के लिए चार नई बसों की खरीद का प्रस्ताव पारित हुआ।
8. सभा के कार्यों हेतु विभिन्न स्थानों पर आवागमन के लिए सभा प्रधान के लिए नई गाड़ी का प्रस्ताव भी मंजूर किया गया।
9. आजीवन सदस्यों की आपातकालीन सहायता के लिए तीन एम्बुलेंस खरीदने का प्रस्ताव पारित हुआ।
10.सभी विद्यालय भवनों की मरम्मत एवं सुधार कार्यों पर बल देने का निर्णय हुआ।
11 कंप्यूटर और केमिस्ट्री लैब के जीर्णोद्धार का प्रस्ताव पारित किया गया।
12 दयालबाग/शिव दुर्गा विहार क्षेत्र में एक नए प्ले स्कूल की शुरुआत की जिम्मेदारी वहां के कॉलेजियम सदस्यों को दी गई।

सभा में जहां अधिकांश प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुए, वहीं सभा की कार्यवाही के दौरान कुछ विपक्षी सदस्यों द्वारा शोर-शराबा और व्यवधान पैदा करने की कोशिश की गई। बताया गया कि विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं था और वे केवल सभा संचालन में बाधा डालने की रणनीति बनाकर आए थे। इस दौरान लक्ष्मण रावत कार्य रोकने की धमकी देते नजर आए, जबकि ओमप्रकाश गौड़ और मनोज शर्मा ने माहौल को अशांत करने का प्रयास किया। विपक्ष में कुछ महिलाएं जो सिर्फ दूसरों को बदनाम और हो हल्ला मचाने आई थी।

सभा के अंत में अध्यक्ष श्री राकेश घिल्डियाल ने कहा कि “गढ़वाल सभा जनसेवा और पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध है। जो भी भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जाएगा, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। हमारा उद्देश्य समाज और शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊर्जा और विश्वास स्थापित करना है।”
गढ़वाल सभा – फरीदाबाद (पंजी.)

26 अक्टूबर की आम सभा एवं कॉलेजियम बैठक पर आधिकारिक स्पष्टीकरण

फरीदाबाद, 26 अक्टूबर 2025 —
गढ़वाल सभा – फरीदाबाद (पंजी.) की आम सभा एवं कॉलेजियम बैठक का आयोजन 26 अक्टूबर 2025 को सम्पन्न हुआ।
इस बैठक में अधिकांश कॉलेजियम सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कुछ सदस्य व्यक्तिगत कारणों से उपस्थित नहीं हो पाए,
किन्तु उन्हें लिखित एवं मौखिक दोनों रूपों में विधिवत आमंत्रित किया गया था।

सभा में पूर्व कार्यों की समीक्षा की गई, जिसके दौरान कई गंभीर एवं चौंकाने वाले तथ्य उजागर हुए। जैसे ही सच्चाई पर चर्चा प्रारम्भ हुई, कुछ सदस्यों ने प्रत्येक निर्णय का विरोध आरम्भ कर दिया —मानो सत्य के उद्घाटन से वे असहज हो उठे हों।

🔍 मुख्य बिंदु: समीक्षा में सामने आए तथ्य

1 विद्यालय की बसें बिना किसी पूर्व सूचना या स्वीकृति के बेची गईं।
2 बेची गई बसों के ड्राइवरों एवं स्टाफ को वेतन मिलता रहा,जबकि बाहर से ठेके पर बसें किराए पर ली जाती रहीं।
3 कुछ स्टाफ सदस्यों के वेतन में अनुचित वृद्धि की गई,जिससे स्टाफ एकता को आघात पहुँचा।
4 फिटनेस एवं मेंटेनेंस के नाम पर धन खर्च दर्शाया गया,परंतु वास्तविक कार्य नहीं हुए।
5 जब फर्जी बिलों एवं संदिग्ध भुगतानों पर प्रश्न उठे,तो विरोध अपने चरम पर पहुँच गया —
जैसे किसी की संवेदनशील नब्ज़ पर हाथ रख दिया गया हो।

💬 अध्यक्ष का कथन

सभा अध्यक्ष श्री राकेश घिल्डियाल ने स्पष्ट कहा —
"जब हमने विद्यालय एवं समाज के हित में नई बस खरीदी, तब विरोध हुआ,और जब उन्हीं लोगों ने बिना अनुमति बसें बेच दीं, तब सब मौन क्यों रहे?
"उन्होंने कहा कि अध्यक्ष के पास कोई निजी वाहन नहीं है, इसलिए सभा द्वारा उन्हें सेवा हेतु एक वाहन उपलब्ध कराया गया है, जो सभा की संपत्ति होगी, न कि व्यक्तिगत।
इसका पूरा लेखा-जोखा सभा के अभिलेखों में सुरक्षित रहेगा।

📣 विरोध और फर्जी प्रचार पर चेतावनी

सभा ने यह भी कहा कि कुछ लोग गढ़वाल सभा के नाम से फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाकर भ्रामक एवं भड़काऊ जानकारी फैला रहे हैं। सभा ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक व्यय, बिल एवं भुगतान का पूर्ण रिकॉर्ड सुरक्षित है, और यदि समाज चाहता है तो सत्य खुले मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा, परंतु यह कार्य फर्जी मंचों से नहीं, बल्कि आधिकारिक सभागार एवं प्रमाणिक प्लेटफॉर्म से किया जाएगा।

⚙ संगठनात्मक नैतिकता पर प्रश्न

सभा में यह भी चर्चा हुई कि कुछ व्यक्ति,जो वर्षों तक किसी विचारधारा का विरोध करते रहे,अब उसी विचारधारा को अपनाकर गढ़वाल सभा की नैतिकता एवं अनुशासन पर प्रश्नचिह्न लगा रहे हैं।

एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा —

> "क्या कुर्सी की लालसा इतनी बढ़ गई कि अपने बड़ों का संघर्ष और संगठन की मर्यादा ही भूल गए?"

🧍♂ विश्वासघात का मुद्दा

सभा में एक सदस्य पर यह आरोप भी लगा कि उन्होंने चुनाव के समय मंच से समाज की एकता एवं पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय श्री चंद्रप्रकाश जी की नीतियों के प्रति निष्ठा की शपथ ली थी, परंतु अब वे विपरीत पक्ष में जाकर चाटुकारिता और व्यक्तिगत स्वार्थ में लिप्त दिखाई दे रहे हैं। सभा के युवा सदस्यों ने इसे समाज के साथ "विश्वासघात" बताया।

🚑 सेवाओं के पुनर्संचालन की दिशा में कदम

सभा ने यह भी बताया कि एम्बुलेंस सेवा, जो पूर्व में लगभग बंद हो चुकी थी, अब नई जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ पुनः प्रारंभ की जा रही है।

विद्यालय में आयोजित हालिया कार्यक्रम कोई व्यक्तिगत भोज या उत्सव नहीं था, बल्कि इसका उद्देश्य था —विद्यालय स्टाफ, कॉलेजियम सदस्यों एवं विद्यार्थियों के बीच संवाद, मेलजोल और उत्साह को बढ़ावा देना।

इसे “धन की बर्बादी” कहना उन लोगों की संकुचित सोच को दर्शाता है जो संगठन की एकता से असहज हैं।

🕊️ गढ़वाल सभा का संदेश

“गढ़वाल सभा सत्य, सेवा और सम्मान की संस्था है। हमारी सोच विकास, पारदर्शिता और एकता की है। जबकि कुछ लोग भ्रम और विभाजन की राजनीति में व्यस्त हैं।
अब निर्णय समाज करेगा —
कौन सभा के हित में है, और कौन व्यक्तिगत स्वार्थ में।”

जय बद्रीविशाल 🙏